फा. सं. एबी-11020/1/2024-सामान्य_समन्वय.; ई-27399

भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

*****

दिसंबर, 2024 माह के दौरान हुई महत्वपूर्ण प्रगति और विभाग की प्रमुख उपलब्धियों का सारांश।

I. देश में दूध की कीमतों और उपलब्धता पर चर्चा करने के लिए हितधारकों के साथ दिनांक 04.12. की अध्यक्षता में दूध की स्थिति (एएचडी) को सचिव 2024पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह पाया गया कि एसएमपी का पर्याप्त स्टॉक है और दूध के मूल्य को लेकर कोई दबाव नहीं है। दूध उत्पादन में वृद्धि को देखते हुए विभाग मध्याह्न भोजन योजना के हिस्से के रूप में फ्लेवर्ड दूध के माध्यम से दूध को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है, जो प्रोटीन का भी एक अच्छा स्रोत होगा। इसके लिए अंतर सरकारी समन्वय की- आवश्यकता है।

दुग्ध संघों से यह भी कहा गया है कि वे बड़े पैमाने पर बायो सीएनजी और बायो गैस के- लिए परियोजनाएं शुरू करें। एनडीडीबी इसके लिए नोडलएजेंसी की भूमिका में होगा।

II. दो योजनाओं नामत :राष्ट्रीय गोकुल मिशन और राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम के विस्तार के लिए दो ईएफसी आयोजित की गईं। इसके लिए कैबिनेट नोट जनवरी महीने में प्रस्तुत किए जाने की संभावना है।

III. एफएओ ने वर्ष 2024-को अंतर्राष्ट्री 25य ऊँट वर्ष घोषित किया है। पिछली मूलभूत पशुपालन सांख्यिकी में ऊँटों की संख्या में कमी देखी गई है। बीकानेर में ऊँटों संबंधी आईसीएआर संस्था की मदद से ऊँट पालकों, शोधकर्ताओं और ऊँट दुग्ध उद्यमियों के साथ एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। ऊँटों को कैसे संरक्षित किया जाए, ऊँट दूध उत्पादन को कैसे व्यवस्थित किया जाए और इसके उत्पादों को कैसे लोकप्रिय बनाया जाए, इसके लिए रणनीति पत्र तैयार किया जा रहा है।

****